ब्रह्मऋषि विश्वामित्र शोध संस्थान
अखिल विश्व गायत्री परिवार

Phone: +91 82260 66001, +91 9179472066
Web: www.bvshodhsansthan.org
Email :- bvshodhsansthan@gmail.com

आदरणीय,
भाईयो/बहनों

घरेलू एवं औद्योगिक कचरा प्रबंधन के संदर्भ में जन-जागरूकता, सामाजिक व्यवहार तथा नियम-पालन के अध्ययन हेतु Google Form-आधारित प्रारंभिक शोध-अध्ययन के प्रस्ताव के संबंध में

सूचित किया जाता है कि ब्रह्मर्षि विश्वामित्र शोध संस्थान के अंतर्गत एक सामाजिक-पर्यावरणीय महत्व का प्रारंभिक शोध-अध्ययन प्रस्तावित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य घरेलू एवं छोटे-मध्यम औद्योगिक स्तर पर कचरा प्रबंधन से जुड़े व्यवहार, जागरूकता तथा सामाजिक सोच को समझना है। वर्तमान समय में यह स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है कि ठोस कचरा प्रबंधन से संबंधित नियम, व्यवस्थाएँ और योजनाएँ होने के बावजूद स्रोत-स्तर पर कचरा पृथक्करण (segregation), जिम्मेदार निपटान तथा नियम-पालन व्यवहार में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है। यह समस्या केवल तकनीकी या अवसंरचनात्मक न होकर मुख्यतः सामाजिक व्यवहार, आदतों, जिम्मेदारी-बोध, जागरूकता और सामूहिक सोच से जुड़ी हुई प्रतीत होती है, जिस पर संस्थागत स्तर पर अध्ययन एवं विमर्श आवश्यक है।

यह प्रस्तावित अध्ययन किसी बड़े नगर निगम प्रोजेक्ट या नीति-मूल्यांकन के रूप में नहीं, बल्कि एक संस्थान-स्तरीय अन्वेषणात्मक (exploratory) सामाजिक शोध प्रयास के रूप में किया जाएगा। अध्ययन में घरेलू नागरिकों तथा छोटे-मध्यम औद्योगिक इकाइयों से जुड़े व्यक्तियों (जैसे मालिक, प्रबंधक, कर्मचारी) को शामिल किया जाएगा, जितने भी उत्तरदाता स्वेच्छा से Google Form के माध्यम से उपलब्ध हों। इस अध्ययन का उद्देश्य किसी दंडात्मक या निरीक्षणात्मक निष्कर्ष तक पहुँचना नहीं, बल्कि यह समझना है कि लोगों की जानकारी (awareness), सोच (attitude), सामाजिक दबाव (social norms), व्यवहारिक सुविधाएँ/बाधाएँ (perceived control) और वास्तविक व्यवहार (practice) के बीच किस प्रकार का अंतर विद्यमान है।

अध्ययन की रूपरेखा के अंतर्गत Google Form-आधारित प्रश्नावली के माध्यम से उत्तरदाताओं से उनकी सामाजिक-जनसांख्यिकीय जानकारी, घरेलू या औद्योगिक श्रेणी, कचरा पृथक्करण की वर्तमान स्थिति, स्थानीय कचरा-उठान व्यवस्था के प्रति धारणा, Solid Waste Management Rules जैसे नियमों के प्रति जानकारी, तथा कचरा प्रबंधन से जुड़े दैनिक व्यवहार के बारे में जानकारी एकत्र की जाएगी। इसके साथ-साथ यह भी समझने का प्रयास किया जाएगा कि कचरा अलग न करने या नियमों का पालन न करने के पीछे मुख्य बाधाएँ क्या हैं—जैसे समय की कमी, सुविधा का अभाव, आदत, सामाजिक उदासीनता, या यह धारणा कि यह केवल प्रशासन की जिम्मेदारी है। घरेलू और औद्योगिक उत्तरदाताओं के व्यवहार एवं सोच के बीच संभावित अंतर को भी तुलनात्मक रूप से देखा जाएगा।

यह स्पष्ट किया जाता है कि यह अध्ययन पूर्णतः स्वैच्छिक सहभागिता पर आधारित होगा तथा किसी भी उत्तरदाता की व्यक्तिगत पहचान गोपनीय रखी जाएगी। यह शोध किसी प्रकार की कानूनी जाँच, दंडात्मक कार्रवाई या प्रशासनिक मूल्यांकन से संबंधित नहीं है। इसका उद्देश्य केवल सामाजिक व्यवहार की वास्तविक स्थिति को समझना, व्यवहार-परिवर्तन की बाधाओं की पहचान करना तथा भविष्य में जन-जागरूकता और व्यवहार-परक हस्तक्षेपों (behaviour-change initiatives) के लिए एक तथ्यात्मक आधार तैयार करना है। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों का उपयोग संस्थान द्वारा समाजोपयोगी संवाद, जागरूकता कार्यक्रमों एवं नीति-स्तर पर सुझाव प्रस्तुत करने के लिए किया जा सकता है।

इस प्रस्तावित शोध का संस्थागत महत्व यह है कि इसके माध्यम से ब्रह्मर्षि विश्वामित्र शोध संस्थान पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे समकालीन विषय पर एक व्यावहारिक, ज़मीनी और डेटा-आधारित समझ विकसित कर सकेगा। यह अध्ययन भविष्य में किसी विशेष शहर, जिले या समुदाय-स्तर पर विस्तृत शोध, प्रशिक्षण कार्यक्रम या नीति-संवाद के लिए एक प्रारंभिक आधार (baseline) प्रदान करेगा तथा संस्थान की सामाजिक-वैज्ञानिक शोध-दृष्टि को और सुदृढ़ करेगा।

अतः संस्थान के सभी सदस्यों, शोधकर्ताओं एवं समन्वयकों को इस प्रस्तावित अध्ययन की जानकारी प्रदान की जाती है, ताकि आवश्यक सुझाव, मार्गदर्शन एवं सहयोग के माध्यम से इस शोध-कार्य को आगे बढ़ाया जा सके।

Buss

ब्रह्मऋषि विश्वामित्र शोध संस्थान
अखिल विश्व गायत्री परिवार